वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 183 रविवार 27 अक्टूबर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीनाथ जी मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि की प्रार्थना की

जयपुर. शाबाश इंडिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को नाथद्वारा के श्रीनाथजी मंदिर में दर्शन किए। शर्मा ने शयन झांकी के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। इस अवसर पर श्रीनाथजी मंदिर के पदाधिकारियों ने मंदिर परंपरा के अनुसार मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

एक-पेड़ मां के नाम अभियान से प्रदेश को करेंगे ग्रीन

जयपुर. कासं

एक पेड़ मां के नाम अभियान को राजस्थान को पूरा ग्रीन होने तक जारी रखा जाएगा। प्रदेश में अब तक लगाए जा चुके 6 करोड़ वृक्षों के संरक्षण के लिए टीम गठित कर कार्य सुनिश्चित किए जाएंगे। यह कहना था पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद केंद्रीय चेयरमैन राहुल द्विवेदी का, जो राजस्थान के नवनिर्वाचित चेयरमैन देशराज वर्मा के द्वारा जयपुर स्थित एक होटल में राजस्थान के 50 जिलों के जिला प्रमुख सदस्य नियुक्त करने के कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस मौके पर द्विवेदी ने बताया कि परिषद केंद्र सरकार की सभी योजनाओं को धरातल पर लाने के लिए कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन को लेकर नीतियों के साथ हैं। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के अभियान एक पेड़ मां के नाम को भी पूरे राजस्थान में लेकर जा रहे हैं, जिससे प्रदेश को एक हरित प्रदेश बनाया जा सके। कार्यक्रम में प्रदेश चेयरमैन देशराज वर्मा ने कहा कि राजस्थान पौधरोपण के कार्यक्रम में देश में आगे रहेगा। राजस्थान के सभी जिलों में ग्राम पंचायत तक कार्यकारणी बनाई है।

'रन फॉर आयुर्वेद' का हुआ आयोजन

जुंबा डांस के साथ हुई शुरूआत; 6 किलोमीटर की दौड़ में करीब 2000 से अधिक चिकित्सक, शिक्षक, विद्यार्थी-आमजन ने लिया भाग

जयपुर. शाबाश इंडिया

9वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में 'रन फॉर आयुर्वेद' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जुंबा डांस के साथ हुआ। रन फॉर आयुर्वेद का आयोजन शनिवार को सुबह 6.15 बजे से जोरावर सिंह गेट स्थित पर किया गया। रन फॉर आयुर्वेद राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर से प्रारंभ होकर सांगानेरी गेट से वापिस राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर पर संपन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद जयपुर मंजू शर्मा, हेरिटेज नगर निगम जयपुर महापौर कुसुम यादव, उत्तर पश्चिम रेलवे,जयपुर महाप्रबंधक अमिताभ शर्मा, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर कुलपति प्रो. संजीव शर्मा,

नगर निगम ग्रेटर उपमहापौर पुनीत कर्णावत, पार्षद रजत विश्नोई ने रन फॉर आयुर्वेद को झंडी दिखाकर रवाना किया। सांसद मंजू शर्मा ने 9वें आयुर्वेद दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा आप सभी को गर्व होना चाहिए आप हिंदुस्तान की सबसे पुरानी चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद को पूरे विश्व के सामने लेकर जाएंगे जो उनको स्वस्थ रखने में बहुत ज्यादा कारगर है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस प्रकार योग को पूरे विश्व में फैला दिया जिससे आज भारत के साथ कई देशों में आयुर्वेद दिवस को मनाया जाता है। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान आज लगातार आमजन को चिकित्सा पद्धति से स्वस्थ रखने के साथ ही आयुर्वेद का प्रचार प्रसार कर रहा है। आयुर्वेद जीवन शैली को अपनाकर सभी स्वस्थ रह सकते हैं। भारत में आयुर्वेद की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी हमारे देश का नाम विदेशों में करते हैं। महापौर कुसुम यादव ने कहा 9वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आज बदलती जीवनशैली में आमजन को भावनात्मक और सामाजिक स्वस्थ समाज देना है ओर अच्छी सेहत के साथ हम अपने जीवन की जिम्मेदारी को निभा सकते हैं। स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को देशवासियों के साथ विदेशों में भी अपनाया जा रहा है। कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने कहा - 9वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए रन फॉर आयुर्वेद का आयोजन किया गया है। यह दौड़े स्वस्थ भारत के लिए ओर विश्व को आयुर्वेद से स्वस्थ रहने का संदेश देने के लिए है। यह दौड़ पूरे विश्व के लिए है विश्व स्वास्थ्य एवं विश्व का कल्याण हो भारत की यह आवाज है, ओर देश की इस आवाज को बुलंद करने के लिए आज रन फॉर आयुर्वेद के माध्यम से हम यह संदेश समाज में देना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जब से आयुर्वेद दिवस को मनाने की घोषणा की है तब से राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान हर वर्ष आमजन को आयुर्वेद से जोड़ने के लिए आयुर्वेद दिवस को धूमधाम से मना रहा है और आमजन को आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ रहने का संदेश दे रहा है।

महावीर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने खेल प्रतिस्पर्धाओं में किया नाम रोशन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिनांक 18 से 22 अक्टूबर को एसएमएस स्टेडियम, जयपुर में संपन्न हुई जिला स्तरीय एथलेटिक मीट डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता में महावीर पब्लिक स्कूल, सी-स्कीम, जयपुर की 12वीं कक्षा की छात्रा डेजल सैनी ने अपने कठिन परिश्रम व ट्रेनर श्रीमती सोनिका गोदारा के मार्गदर्शन में रजत पदक व शॉट पुट में कांस्य पदक प्राप्त किया है। इसके साथ ही डेजल भीलवाड़ा में होने वाले राज्य स्तरीय एथलेटिक मीट के लिए भी चयनित हुई है। इसके साथ ही अंडर 17 कैटेगरी में 400 मीटर रिले रेस में 11वीं कक्षा के छात्र हर्षित चौधरी, रिद्वन मुद्गल, राघव सिंह, पुनीत सैनी एवं जय बबलोत ने रजत पदक हासिल करके विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के अध्यक्ष उमराव मल संघी, मानद् मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया, समस्त कार्यकारिणी सदस्यों एवं प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने बच्चों की इस उपलब्धि के लिए उन्हें बहुत-बहुत बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

नेट-थियेट पर धोरा रा रंग

जयपुर शहर नगीनो, सब शहरा को सिर मौर, चैत का महीना में निकले छ गणगौर

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट-थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज राजस्थानी लोकगीत सांझ कार्यक्रम में राजस्थान के लोक गायक पंडित सुरेश पांचाल ने अपनी सुरीली आवाज से राजस्थानी लोकगीतों की ऐसी अविरल धारा प्रवाहित की श्रोता राजस्थानी लोक संस्कृति में मदमस्त होकर आनंद के हिलेरी लेने लगे। नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार पंडित सुरेश पांचाल ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना से की । उन्होंने सुप्रसिद्ध लोकगीत ढोला जयपुरिया चालो जी दिखा दयो मने तीज को मेलो को बहुत ही मस्ती भरे अंदाज में प्रस्तुत कर लोगों को आनंदित किया । इसके बाद उन्होंने उठ जाओ जी म्हारा पिया परमेश्वर चढ आयो छे तावडो और केला की सी कामली स कईया मारी छे लोकगीत सुनाया तो लोग मंत्र मुग्ध हो गए। अंत में कलाकार सुरेश पांचाल ने बहुत ही प्रसिद्ध लोकगीत जयपुर शहर नगीनों सब शहरा को सिर मौर चैत का महीना मह निकले छ गणगौर को बड़े ही मनोयोग से गाकर राजस्थान की लोक संस्कृति को समृद्ध बना दिया। इनके साथ ढोलक पर सलमान भाई ने अपनी सुरीली संगत से इस संध्या को खुशनुमा बना दिया साथ ही ऑक्टोपैड पर हेमंत अलबेला ने अपनी शानदार संगत से दर्शक की तालियां बटोरी। खुशखरीद के देवेंद्र सिंधवी की ओर से कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। संयोजक नवल डांगी, कैमरा मनोज स्वामी, संगीत रेनू सनाढ्य, मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू एवं जीवितेश शर्मा की रही।

विश्व वन्दनीय भगवान महावीर का 2551 वां निर्वाणोत्सव शुक्रवार 1 नवम्बर को

चढेगा मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू, दिगम्बर जैन मंदिरों में होगें पूजा अर्चना के विशेष आयोजन

कोटखावदा. शाबाश इंडिया। विश्व वन्दनीय, जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2551 वां निर्वाणोत्सव शुक्रवार , 1 नवम्बर को भक्ति भाव से मनाया जावेगा इस मौके पर कस्बे सहित ज़िले के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना सहित निर्वाण लाडू चढाने के विशेष आयोजन किए जाएंगे। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा 'ने बताया कि प्रातः अभिषेक, शांतिधारा के बाद भगवान महावीर की अष्ट द्रव्य से पूजा-अर्चना की जाएगी। पूजा के दौरान निर्वाण काण्ड भाषा के सामूहिक उच्चारण पश्चात जयकारों के साथ मोक्ष कल्याणक अर्घ्य तथा निर्वाण लाडू चढाया जाएगा। जैन के अनुसार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में मुनि मार्दव नन्दी महाराज, मुनि महिमा सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन एवं मानद् मंत्री एडवोकेट हेमंत सोगानी के नेतृत्व में प्रातः 9.00 बजे निर्वाण लाडू चढाया जायेगा। चाकसू के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कोट, चाकसू के आदिश्वर धाम, कोटखावदा के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर बड़ा बास में अध्यक्ष महावीर गंगवाल एवं मंत्री दीपक वैद के नेतृत्व में प्रातः निर्वाणोत्सव मनाया जाकर निर्वाण लाडू चढाया जावेगा। जैन के मुताबिक श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर गढ का बास, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय में मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढाया जाएगा। श्री जैन के मुताबिक बापू गांव के श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार में आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज के आशीर्वाद से निर्वाणोत्सव मनाया जाएगा। इस मौके पर अध्यक्ष प्रकाश बाकलीवाल के नेतृत्व में प्रातः अभिषेक, शांतिधारा, पूजा अर्चना के बाद प्रातः 9.00 बजे निर्वाण लाडू चढाया जाएगा। जैन के मुताबिक निमोडिया,रुपाहेडी, काशीपुरा,बस्सी सहित कई मंदिरों में पूजा अर्चना व मोक्ष कल्याणक के विशेष आयोजन होंगे।

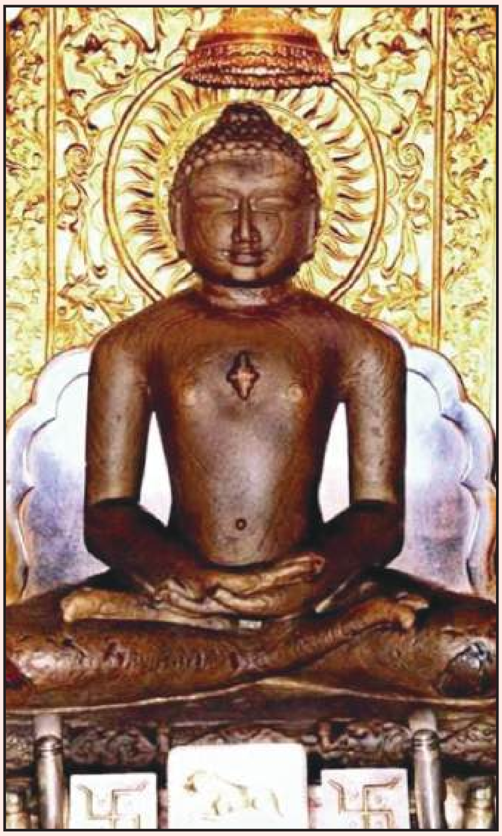

भगवान महावीर का अमावस्या को प्रातः काल हुआ था महानिर्वाण

राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि उत्तर पुराण में आचार्य गुणभद्र (7- 8 वीं शताब्दी) ने लिखा है कि 15 अक्टूबर,527 बीसीई कार्तिक कृष्णा अमावस्या स्वाति नक्षत्र के उदय होने पर भगवान महावीर ने सुप्रभात की शुभ बेला में अघातिया कर्मों को नष्ट कर निर्वाण प्राप्त किया था।उस समय दिव्यात्माओं ने महावीर प्रभु की पूजा की और अत्यंत दीप्तिमान जलती प्रदीप-पंक्तियों के प्रकाश में आकाश तक को प्रकाशित करती हुई पावां नगरी सुशोभित हुई। सम्राट श्रेणिक आदि नरेन्द्रों ने अपनी प्रजा के साथ निर्वाण उत्सव मनाया।उसी समय से प्रति वर्ष महावीर जैनेन्द्र के निर्वाण को अत्यंत भाव एवं श्रद्धा पूर्वक मनाया जाकर नैवेद्य (लाडू) से पूजा की जाती है। जैन ने बताया कि इसका उल्लेख प्रसिद्ध जैन ग्रंथ हरिवंश पुराण में भी हैं।जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के 256 वर्ष साढ़े तीन माह बाद महावीर का जन्म हुआ था।72 वर्ष की उम्र के अन्त में श्री शुभ मिती कार्तिक कृष्णा चतुर्दशी के अन्त समय (अमावस्या के अत्यंत प्रातः काल) स्वाति नक्षत्र में मोक्ष लक्ष्मी को प्राप्त किया। उसी समय भगवान महावीर के प्रथम गणधर श्री गौतम स्वामी को केवल ज्ञान रुपी लक्ष्मी प्राप्त हुई और देवों ने रत्नमयी दीपकों का प्रकाश कर उत्सव मनाया।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन का क्षमावाणी एवं स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन का क्षमावाणी एवं स्नेह मिलन समारोह स्थानीय भट्टारक जी की नसियां में आयोजित किया गया। मंगलाचरण से प्रारम्भ हुए कार्यक्रम में सबसे पहले ग्रुप के मंत्री हीरा चन्द बैद ने उपस्थित सभी महानुभावों का स्वागत करते हुए विगत वर्ष में हुई गलतियों के लिए क्षमा याचना कर ग्रुप द्वारा पिछले तीन माह में आयोजित किए गये विभिन्न कार्यक्रम व आयोजन के बारे में जानकारी प्रदान की। समारोह का संचालन कर रही मनीषा जैन ने गत माहों में जिन सदस्यों का जन्म दिन था व जिन दम्पति के विवाह की वर्ष गांठ थी उन्हें मंच पर आमंत्रित किया वरिष्ठ महानुभावों ने इन सभी को माला पहनाकर सम्मानित किया। श्रीमती सरला संघी एवं श्रीमती मनीषा जैन ने हाऊजी का खेल खिलाया। हाऊजी के पुरस्कार ग्रुप द्वारा प्रदान किये गये। अन्त में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन जयपुर के अध्यक्ष धनु कुमार ने सभी का आभार व्यक्त कर भोजन के लिए आमंत्रित किया। सांयकालीन भोजन के पश्चात जिनमन्दिर में सामूहिक रूप से पंच परमेष्ठि एवं आदिनाथ भगवान की आरती की गई। आरती के पश्चात भक्ति के कार्यक्रम में संगीतज्ञ डा. अजित जैन, राजकुमार संघी एवं हीरा चन्द बैद ने भजन प्रस्तुत किए। उपस्थित सभी महानुभावों ने सम्पूर्ण कार्यक्रम की सराहना करते हुए ग्रुप के पदाधिकारियों को धन्यवाद देते हुए अगले माह एक दिवसीय भ्रमण का कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया जिसे ग्रुप के पदाधिकारियों ने सहर्ष स्वीकार किया। समारोह में दि.जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय के मानद मंत्री महेश चांदवाड, जैन बैंकर्स फोरम के भाग चन्द जैन मित्रपुरा, सुदर्शन पाटनी, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान के मंत्री निर्मल संघी आदि विशिष्ट जनों की गरिमामय उपस्थिति रही।

'दिया बनाओ' व 'रंगोली' प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। सी.आर.डी.ए.वी. गर्ल्स कॉलेज व सी.आर. डी.ए. वी. गर्ल्स कॉलेज आफ एजुकेशन , ऐलनाबाद में 26 अक्टूबर 2024 को दीपावली के त्यौहार के उपलक्ष्य में 'दिया बनाओ' व 'रंगोली' प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. भूषण मौंगा व अनंत कथूरिया की अध्यक्षता, महाविद्यालय की प्राध्यापिका श्रीमती इन्दु कामरा व शिक्षण महाविद्यालय की प्राध्यापिका श्रीमति आराधना व श्रीमति शालू बाला की देखरेख में संपन्न हुआ । इस अवसर पर प्राचार्य ने दीपावली के महत्व को बताया। दीपावली हिंदू धर्म का प्रमुख त्योहार है । उन्होंने बताया की यह त्यौहार हमारी समृद्ध परम्पराओं और संस्कृति का परिचायक है। यह त्यौहार मनुष्य को खुशियों के साथ जीना सिखाता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के अध्यक्ष ईश कुमार मेहता , प्रबंधकीय निदेशक जगदीश मेहता कार्यकारी निदेशक डॉ.करुण मेहता ने सभी प्रतिभागी छात्राओं की प्रशंसा कर सफल कार्यक्रम की बधाई दी। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका श्रीमति दीपशिखा व श्रीमति शेरीन ने निभाई। इस प्रतियोगिता में 30 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। 'दिया बनाओ' प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर स्तुति बी.ए. द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर मनप्रीत बी.ए. द्वितीय वर्ष तथा तृतीय स्थान पर अनीता बी.ए.प्रथम वर्ष की रही। 'रंगोली' प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर स्तुति बी.ए. द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर हरमन बी.ए. द्वितीय वर्ष तथा तृतीय स्थान पर मनप्रीत बी.ए.द्वितीय वर्ष की रही । सी.आर.डी.ए.वी. गर्ल्स कॉलेज आफ एजुकेशन में 'रंगोली' प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर लक्ष्मी प्रथम वर्ष व द्वितीय स्थान पर निशा बी.एड. प्रथम वर्ष व तृतीय स्थान पर पूनम बी.एड. प्रथम वर्ष की रही। 'दिया बनाओ' प्रतियोगिता में पूनम बी.एड. प्रथम वर्ष ने प्रथम व द्वितीय स्थान पर अमनजोत बी.एड. प्रथम वर्ष व तृतीय स्थान पर लक्ष्मी बी.एड. प्रथम वर्ष की रही । इस मौके पर कॉलेज के सभी शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे व कॉलेज की छात्राओं ने भी इसमें बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

एक अनूठा दान गौमाता के लिए तुला दान

अब अपने वजन का मीठा दलिया गौमाता को खिलाओ और गौवंश को तृप्त कर भरपूर आशीष पाओ

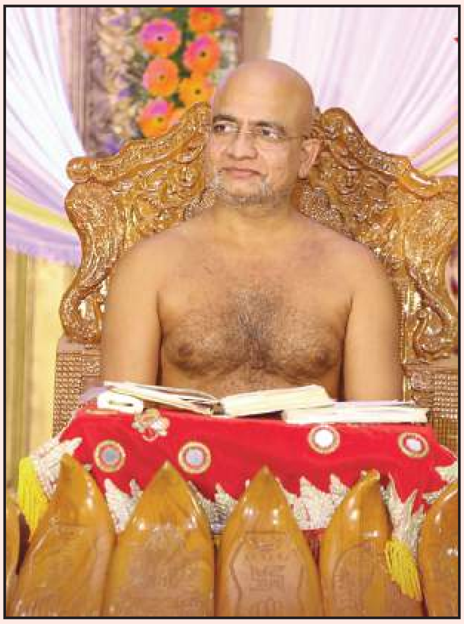

कुलचाराम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया। 27 अक्तूबर 2024 प्रातः 9:00 बजे मानस्तंभ जिनबिम्ब अभिषेक 9:30 बजे आहार चर्या 11:00 तुला दान कार्यक्रम दोपहर 2:00 बजे अंतर्मना विशेष आशीर्वाद एवं दीप मालिका भाग्योदय आप आये अपनों को लाये। अंतर्मना गुरुदेव आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं उपाध्याय श्री पीयूष सागर जी के कुशल मार्ग निर्देशन में कुलचाराम क्षेत्र में होने जा रहा है एक अनूठा कार्यक्रम ३एक दान गौमाता के लिए तुलादान३ आप सभी को अपने वजन का दाना पानी गौमाता के लिए दान देकर अपने भाग्य को सौभाग्य में बदलना है। निवेदक श्री श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर अतिशयक्षेत्र कुलचाराम पार्श्वनाथ ट्रस्ट एवं प्रबंधकारिणी समिति कुलचाराम, जिला मेदक (तेलंगना) ने दी । इस अवसर पर अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज ने प्रवचन मे कहा की अच्छा जीवन जीने के लिये बोलने का ढंग बहुत जरूरी है। हमारे पास धन की पूंजी से ज्यादा, अच्छी वाणी और व्यवहार की बहुत जरूरत है। धन, दौलत, रूपया, पैसा, ज्ञान, संस्कार तो बहुत बढे.लेकिन हमारे बोलने की टोन और घटिया सोच के कारण, आज आदमी ना जी पा रहा है और ना मर पा रहा है ? हम आज भी वहीं खड़े हैं जहां 20 साल पहले खड़े थे। धन वृद्धि हो पर उदारता भी आना चाहिए। ज्ञान की वृद्धि हो पर विनम्रता भी आना चाहिए। शिक्षा बढ़े पर माता पिता गुरू जन के द्वारा प्रदत्त संस्कार भी कम नहीं होना चाहिए। अच्छे विचारों की पूंजी ही आज की असली कमाई है, क्योंकि सकारात्मक सोच और अच्छे विचार, आदमी को कभी जीते जी मरने नहीं देते। अन्यथः आज का आदमी जीवन जीने के नाम पर, जीवन का बोझ ढो रहा है। आदमी भीतर से यानि (मन से) रोज दिन में 10-20 बार मरता है...! **-नरेंद्र अजमेरा ,पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

वेद ज्ञान

ईश्वर प्राप्ति के लिए ईश्वर का चिंतन करना चाहिए

प्रायः हम कहते हैं कि हमें ईश्वर प्राप्ति के लिए ईश्वर का चिंतन करना चाहिए। इस संदर्भ में सवाल यह उठता है कि हम उसका चिंतन कर भी कैसे सकते हैं, जिसके बारे में हमारा कोई अनुभव नहीं। वहीं जो लोग ईश्वर को जानने का दावा करते हैं, वे सब सुनी-सुनाई बातें हैं, जिसे हम अपना ईश्वरीय ज्ञान मान लेते हैं, जो सरासर मूर्खता के अतिरिक्त कुछ भी नहीं। मन ही सर्वाधिक तीव्रगामी है। विचार ही मन की शक्ति है, किंतु जहां मन की सीमा समाप्त होती है, वहां से परमात्मा की सीमा शुरू होती है, किंतु इसका आशय यह नहीं कि यहां क्षेत्र बंटे हुए हैं। इसका आशय मात्र इतना है कि जब मन यानी विचार थककर गिर जाते हैं, तब उस परमात्मा की अनुभूति होती है। विचार रूपी धूल झड़ गई, मन रूपी आईना स्वच्छ हो गया, तब हम उसे देख सकते हैं, जो सब में निहित है। विचारों की शक्ति कुल मिलाकर उस अंधे की लाठी के समान है, जिसके द्वारा हम सागर की थाह पाने की चेष्टा करते हैं, जो अंततः हमें तनावग्रस्त बना देते हैं। उपनिषदों में कहा गया है कि ईश्वर ने संपूर्ण सृष्टि की रचना की, सारी कर्मेंद्रियों का रुख बाहर की ओर रखा और स्वयं हमारे भीतर हमारी हृदय गुहा में छिप गया। अब चूंकि हमारी समस्त कर्मेंद्रियों के द्वार बाहर की ओर खुलते हैं और हमारी सारी उपलब्धियां बाहर प्राप्त होती हैं। इसलिए हम ईश्वर को भी बाहर पाना चाहते हैं। इस प्रकार ईश्वर की ओर हमारी पीठ हो जाया करती है और हम अपने भीतर दौड़कर उसे बाहर सब जगह तलाश करते हैं। इसी खोज में उससे दूर होते चले जाते हैं। शायद हमें यह ख्याल नहीं कि जो चीज हमारे जितना निकट होती है, उसके होने का आभास उतना ही क्षीण होता है। और उसका पता हमें तब चलता है, जब वह चीज हमसे दूर हो जाती है। हमने परमात्मा को स्वयं के भीतर होने का बोध खो दिया है। काश! हमने कभी परमात्मा को खोया होता तो कोई भी उसे खोज कर हमें दे देता, किंतु जब हमने उसे खोया ही नहीं तो उसे हमें कोई दे भी कैसे सकता है। उसकी खोज अंतस चेतना में ही करनी होगी। इस संदर्भ में यह बात भी याद रखें कि परमात्मा कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि एक प्रबल रचनात्मक शक्ति है, जो अदृश्य है।

संपादकीय

16-16 बच्चे पैदा करने की राजनीति...

दक्षिण भारत के राज्यों के दो मुख्यमंत्री आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू और तमिलनाडु के एम के स्टालिन ने अपने-अपने राज्य के लोगों से आग्रह किया है कि वे और बच्चे पैदा करें। नायडू ने जापान, चीन और यूरोप में उम्रदराज होती आबादी के कारण सामने आ रही दिक्कतों के बारे में बताया। उन्होंने अपने मंत्रिमंडल पर दबाव डाला कि वह स्थानीय निकायों के लिए चुनाव में दो बच्चों की सीमा को समाप्त करे। इसके बाद

स्टालिन ने यह सुझाव दिया कि उनके राज्य के लोगों को 16-16 बच्चे पैदा करने चाहिए। अन्य मुख्यमंत्री भी देरसबेर उनके साथ आएंगे। कुल मिलाकर देखें तो इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है कि राजनीतिक रुझानों में जमीनी हकीकत नजर आ रही है। जैसा कि नायडू ने संकेत किया, दक्षिण भारत के राज्यों में औसत प्रजनन दर पहले ही केवल 1.6 रह गई है और इसमें और गिरावट आ सकती है। इससे देश की आबादी का बड़ा हिस्सा ऐसे जनांकिकीय जाल में फंस जाएगा जिसमें अभी रूस और कोरिया जैसे देश फंसे हैं। बहरहाल, यह बात भी ध्यान देने लायक है कि दुनिया भर में इसे लेकर कुछ ही नीतियां कामयाब रही हैं। नायडू ने संकेत दिया है कि और बच्चे पैदा करने संबंधी नीतियों को विचारार्थ पेश किया जाएगा। हालांकि दुनिया के कई देशों ने ऐसे प्रयास किए हैं लेकिन इनका प्रजनन दर पर टिकाऊ असर नहीं हुआ है। इनमें से कई रुझान ऐसे उपायों से संचालित हैं जो महिलाओं को अधिकार संपन्न बनाते हैं। इनमें शिक्षा और बाद में विवाह शामिल हैं। बिना सामाजिक रूप से पिछड़ी नीतियों को अपनाए इन कारकों को उलट पाना संभव नहीं है। ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि दोनों मुख्यमंत्रियों द्वारा जताई गई चिंता की वजह क्या है और क्या वे किसी अन्य विकल्प पर विचार कर सकते हैं? एक बड़ी चिंता राजनीतिक है। इसे स्पष्ट रूप से सामने भी रखा गया है। देश में संसदीय क्षेत्रों का नया परिसीमन लंबित है और इसे आबादी के ताजा आंकड़ों के आधार पर किया जाएगा। अब तक देश का राजनीतिक संतुलन 1971 की जनगणना पर आधारित है जब उत्तर भारत और देश के बाकी हिस्सों के बीच अपेक्षाकृत अधिक संतुलन था। परंतु तब से उत्तरी भारत के राज्यों का जनांकिकीय बदलाव धीमी गति से हुआ है जबकि देश के बाकी हिस्सों में तेजी से। अब राजनीतिक मानचित्र की स्थिति कुछ ऐसी है कि जिन राज्यों ने एक विवादित मुद्दे पर बेहतर प्रदर्शन किया है उन्हें स्थायी नुकसान हो रहा है। इस बात का उल्लेख करना भी जरूरी है कि पूरा देश अब अपनी कुल प्रजनन क्षमता में 2.1 की प्रतिस्थापन दर पर पहुंच रहा है। परंतु यह बात क्षेत्रीय अंतरों को छिपा लेती है जबकि दक्षिण के राज्य उसी को लेकर चिंतित हैं। उनकी चिंता पश्चिम बंगाल,कश्मीर और पंजाब जैसे राज्यों में साझा की जाएगी क्योंकि इन सभी राज्यों की प्रजनन दर आंध्र प्रदेश से भी कम है। परंतु समग्र स्तर पर भी देखें तो यह गिरावट गलत समय पर आ रही है। इस बात की पूरी संभावना है कि भारत अमीर होने के पहले ही गरीब हो जाएगा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

कोड़ा को मंजूरी नहीं

सर्वोच्च न्यायालय ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर राजनीति में शुचिता का पक्ष मजबूत किया है। मधु कोड़ा को साल 2017 में कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद आगामी राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित कर दिया गया था। निचली अदालत ने भी सजा पर रोक लगाने से इनकार किया था। दरअसल, मधु कोड़ा फिर चुनाव लड़ना चाहते हैं, पर उन्हें सजा ऐसी मिली है कि उनका चुनाव लड़ना मुश्किल है। कोई अदालत सजा पर रोक लगाए और फिर सुनवाई करे, तो मधु कोड़ा के लिए चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो सकता है। झारखंड में चुनाव लड़ने को लालायित पूर्व मुख्यमंत्री ने सर्वोच्च न्यायालय से राहत पाने की कोशिश की थी, पर न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने उनकी दोषसिद्धि पर रोक लगाने से मना कर दिया। तय हो गया कि मधु कोड़ा इस बार चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। दिलीप रे, राहुल गांधी और अफजाल अंसारी के मामलों की भी दुहाई दी गई थी, लेकिन अदालत ने स्पष्ट कह दिया कि दोषसिद्धि पर रोक नियमित तौर पर नहीं, बल्कि असाधारण परिस्थितियों में ही जारी की जानी चाहिए। अभी मधु कोड़ा को भूला नहीं है और शायद भूलेगा भी नहीं । निर्दलीय होने के बावजूद वह कैसे झारखंड के मुख्यमंत्री बने और पद पर रहते हुए कैसी विरासत पीछे छोड़ गए, यह किसी से छिपा नहीं है। साल 2006 से 2008 तक राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान कोलकाता स्थित विनी आयरन ऐंड स्टील लिमिटेड को कोयला ब्लॉक आवंटन से संबंधित मामले में भ्रष्टाचार विरोधी कानून के तहत दिसंबर 2017 में दोषी ठहराया गया था। ऐसे और भी मामले हैं, जो मधु कोड़ा का पीछा कर रहे हैं। यह दुर्भाग्य राजनीति का है कि ऐसे दागी नेता आज भी अनेक मंचों पर दिख जाते हैं। भला हो, जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 8 (1) का, जो दोषसिद्ध किसी व्यक्ति को सजा भुगतने के बाद छह साल के लिए संसद या विधानसभा का चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित कर देती है। गौरतलब है कि मधु कोड़ा की टीम ने यह तर्क दिया है कि कोड़ा को चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं देने से न केवल सार्वजनिक जीवन में बने रहने का उनका अधिकार प्रभावित हुआ, बल्कि मतदाताओं का उन्हें चुनने का अधिकार भी प्रभावित हुआ। बहरहाल, कोर्ट ने इन दलीलों पर उचित ही कोई ध्यान नहीं दिया। यह हमारी राजनीति का एक स्याह पहलू है कि हर तरह के नेता के पास अपने समर्थक होते हैं। वास्तव में, सफाई का काम तो जनता का है। जब वह सफाई नहीं रखती है, तो ऐसी शिकायतें सामने आती हैं। जो लोग दागदार हैं, उन्हें जनसेवा करने से नहीं रोका जा सकता, पर ऐसे लोगों को राजनीति से दूर रखने में कोई गलत बात नहीं है। वैसे तो जब दोष गंभीर हो, तो नेताओं को स्वयं चुनाव लड़ने से परहेज करना चाहिए। जनसेवा के लिए दूसरे भी तरीके और अवसर होते हैं, उन्हें भी आजमाना चाहिए। जन प्रतिनिधि होकर जनसेवा करना तो एक मामूली बात है, जिससे आपको अनेक प्रकार से लाभ होते हैं, खूब बदनामी के भी अवसर होते हैं। मतलब, चुनाव की राजनीति वास्तव में जनसेवा की राजनीति नहीं, बल्कि सत्ता की राजनीति है, यह बात समझना ज्यादा जरूरी है।

जब तक भोगों की अधीनता नहीं छोड़ते, अनाथता सबके लिए है: युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी म.सा

चैन्नई. शाबाश इंडिया

जब तक व्यक्ति इच्छाओं, वासनाओं और भौतिक सुखों के पीछे भागते रहोगे,तब तक आंतरिक शांति नहीं मिलने वाला है। शनिवार को आनन्द मरुधर केसरी मधुकर जैन मेमोरियल सेंटल के आनंद दरबार में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी म.सा. ने उत्तराध्ययन सूत्र के 20वें महानिग्रंथीय अध्याय की विवेचना करते हुए कहा कि यह एक तरह से सभी के मानसिक, आत्मिक स्वास्थ्य को निरंतर करने वाला एक रसायन है। यह रसायन आप अलग-अलग भावों में ले सकते हैं। जन्म की बीमारी, उपाधि- व्याधि मिटाना चाहते हैं तो उसके लिए यह रसायन है। इसमें महानिर्ग्रन्थ की चर्या एवं मौलिक सिद्धांतों का वर्णन हुआ है। इस अध्याय का प्रारंभ अनाथी मुनि और श्रेणिक महाराजा की वातार्लाप से होता है। मुनि अनाथी का नाम मूल ग्रंथ में कहीं नहीं है। उसमें उनके भाव दिल को इससे जोड़ने वाले हैं। इस अध्याय में हम पारंपरिक रूप से जिस पंच परमेष्ठि की आराधना करते हैं उनका संक्षिप्त परिचय है। राजा श्रेणिक महारानी के साथ उद्यान भ्रमण को आए हुए हैं। उनकी दृष्टि मुनि पर पड़ती है। अनाथी मुनि उद्यान में काउसग्ग मुद्रा में खड़े हैं। ध्यान पूरा होने पर उन्होंने पूछा आपके चेहरे पर प्रभावशाली, सौम्य भाव है, फिर आपने भोगों से दूर यह मार्ग क्यों चुना। मुनि ने जबाव दिया मैं अनाथ हूं। श्रेणिक कहते हैं इस छोटी-सी बात के लिए आप मुनि बन गए, मैं आपका नाथ बनता हूं। उन्होंने मुनि के पालन-पोषण और भोगों के लिए आमंत्रण दिया। मुनि ने कहा राजन, आप खुद भी अनाथ हो, मेरा पालन क्या करोगे। युवाचार्य प्रवर ने कहा कि कठोर सत्य को हजम करना हरेक के वश की बात नहीं है। मुनि की बात सुनकर श्रेणिक, जो सामर्थ्य, संपत्ति से परिपूर्ण व्यक्तित्व है, क्रुद्ध हो गए। उन्होंने कहा मगध का पूरा साम्राज्य उनके हाथ में है, फिर आप अनाथ कैसे हो सकते हो। उन्होंने कहा एक बात समझ लो, आपके पास सब कुछ है, फिर भी कुछ नहीं है। चार उपचार कहा गया हैं, रोगी, वैद्य, दवाई और रोगी की सेवा करने वाला परिचारक। यह निश्चित है कि खुद की वेदना खुद को सहन करनी पड़ती है। एक रोगी कितना विवश है कि कोई उसकी वेदना को शेयर नहीं कर सकता। इससे यह पता चलता है कि व्यक्ति कितना अकेला है। तब श्रेणिक की जिज्ञासा पर मुनि ने अपने जीवन में घटी घटना का उल्लेख करते हुए समझाया कि एक बार मुझे गंभीर बीमारी ने घेर लिया, उस परिस्थिति में उन्होंने संकल्प लिया कि वह अगर ठीक हो जाएगा तो संयम के पथ पर आ जाऊंगा। उन्होंने छः काय जीवों की रक्षा करने का संकल्प लिया। वह दूसरे दिन ठीक हो गया। बाद में अनाथी मुनि ने तप-साधना से अपना लक्ष्य साध लिया और सद्गति को प्राप्त हुए।

उन्होंने कहा वास्तव में श्रेणिक को अनुभव हुआ कि हम अनाथ हैं। जब तक भोगों की अधीनता नहीं छोड़ते, अनाथता सबके लिए है। केवल श्रमण वेश धारण करने से ही सनाथता नहीं आती। जो राग-द्वेष, काम भोगों की भावनाओं से ग्रसित होते हैं, वे श्रमण भी अनाथ ही होते हैं। उत्तराध्ययन सूत्र के 21वें समुद्रपाल अध्याय की विवेचना करते हुए उन्होंने कहा कि श्रेष्ठिपुत्र गवाक्ष से देखते हुए उसकी दृष्टि एक व्यक्ति पर पड़ी। उनको विचार आया कि जो अशुभ कर्म है, उसका फल दुखदायी है। वह संयम पथ पर आगे बढे। उन्होंने कहा कितना भी तूफान आए, मेरु पर्वत डिगता नहीं है। राग-द्वेष अहंकार का मूल है। हिंसा का परिणाम दुखदायी है। अरिष्ट नेमी तोरण द्वार से वापिस लौटे। उन्होंने विवाह तक को नकार दिया। लेकिन आज हम चारों ओर हिंसा में रत हैं। अरिष्ट नेमी इंद्रियों पर नियंत्रण करने वाले दानेश्वर थे। कृष्ण ने भी उनको नहीं रोका। राजुल को भी कृष्ण ने संसार सागर पार करने का आशीर्वाद दिया। सम्यक दृष्टि के कितने उच्च भाव थे वे। साधु संतो के लिए हमारे भाव भी होने चाहिए कि वे अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें।

हरीपर्वत में संपन्न हुई आगरा नगर की महिला मंडलों के प्रतिनिधियों की बैठक

आगरा. शाबाश इंडिया

12 नवंबर से 17 नंबर के मध्य आगरा के शमशाबाद रोड स्थित बरौली अहीर के बगदा में श्री 1008 भगवान चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में के नवीन जिनालय में मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में श्री 1008 मज्जिनेन्द्र चन्द्रप्रभु जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं चौबीसी मानस्तम्भ प्रतिष्ठा महा महोत्सव आयोजित होने जा रहा है। इस महामहोत्सव को सफल आयोजन हेतु आगरा जैन समाज की समस्त महिला मंडलो की एक अहम बैठक हरिपर्वत के श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के नारायण भवन में 26 अक्टूबर को संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता भारत जैन समाज गौरव मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा की गई। बैठक की शुरूआत हेमलता जैन ने मंगलाचरण के साथ की। इसके बाद 400 महिलाओं सदस्यों ने बगदा में आयोजित होने वाले छह दिवसीय पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव की पूरी व्यवस्था की जिम्मेदारी ली। बैठक के समापन के बाद पंचकल्याणक समिति ने सभी महिला मंडलों का हृदय से आभार किया। इस अवसर पर आयोजित हुई बैठक में पंचकल्याणक महोत्सव के महामंत्री अंनत जैन एवं अध्यक्ष सुधीर कुमार जैन,प्रदीप कुमार जैन,मनोज कुमार जैन,विशाल जैन,राकेश जैन बजाज,नरेश जैन,अनिल जैन,सुमन जैन,माधवी जैन वंदना जैन,वंदना जैन ज्योति नगर,मीरा जैन,शशि जैन सेठी, प्रगति जैन,रोशनी जैन, बबिता जैन कुमकुम जैन,करण जैन मधु जैन ज्योति नगर,समस्त आगरा शहर के कई वरिष्ठ लोगों ने अपनी सहभागिता दर्ज करायी और अर्पितमय पावन वर्षायोग समिति के पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

रिपोर्ट : अनंत कुमार जैन

महासती प्रीति सुधा ने कहा...

तन-मन को स्वस्थ, सुरक्षित एवं जीवन की गरिमा के लिए संयम का पालन अनिवार्य

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शनिवार को पंचायती नौहरा, मुखर्जी चौक में आयोजित धर्मसभा में साध्वी प्रीति सुधा ने सैकड़ों श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि तन-मन की स्वास्थ्य, सुरक्षा और जीवन की गरिमा की वृद्धि के लिए संयम का पालन आवश्यक है। संयमित व्यक्ति रोगमुक्त रहता है, और संयम के प्रभाव से शरीर में बल एवं बुद्धि की वृद्धि होती है, जिससे मन भी प्रसन्न बना रहता है। साध्वी ने बताया कि आज का व्यक्ति असंयमित एवं अस्त-व्यस्त जीवन शैली अपना रहा है। नियम के साथ जीवन जीने में उसे झंझट का अनुभव होता है और संयमपूर्ण दिनचर्या भार सी प्रतीत होती है। असमझी में लोग चिकित्सा एवं दवाइयों पर अपना अमूल्य समय नष्ट कर देते हैं। जिन्होंने समय रहते संयमित जीवन जीने की कला सीख ली, वही स्वच्छता एवं प्रसन्नता का अनुभव कर पाते हैं। नूतन शक्ति का संचार संयम से ही संभव है, जैसे एक छिद्रयुक्त घड़े में पानी भरना असंभव है। तप रत्नेश्वरी संयम सुधा ने कहा कि असंयमित व्यक्ति के शरीर में शक्ति का संरक्षण एवं सुरक्षा कठिन हो जाती है, क्योंकि असंयम से उसकी शक्ति क्षीण होती रहती है, जिससे वह निस्तेज और रोगग्रस्त बना रहता है। इस प्रकार असंयमित व्यक्ति अपने जीवन की कब्र स्वयं खोदता है। संयम, जीवन में सुख, समृद्धि, शांति, सुरक्षा और कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। 'निरोगी काया' जिसे प्रथम सुख कहा गया है, का सपना केवल संयम से ही साकार हो सकता है। प्रवक्ता निलिष्का जैन ने बताया धर्मसभा में इस अवसर पर श्री संघ के अध्यक्ष सुरेश नागौरी, महामंत्री रोशनलाल जैन, श्राविका मंडल की मंजू सिरोया, संतोष जैन, पुष्पा खोखावत, और अन्य कई श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। **-प्रवक्ता निलिष्का जैन**

श्री जे. डी. जैन स्कूल हुई भगवान महावीर व राममय

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। दीपावली से पूर्व 26.10.2024 को पलटन गेट स्थित श्री जे. डी. जैन इंग्लिश मीडियम सैकण्डरी स्कूल प्रांगण राममय हो गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या शशि सोनी ने बताया कि भगवान राम के जीवन से जुड़े ऐसे प्रसंग जिनसे विद्यार्थियों को मानवीय उच्च आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा मिले, उनका विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा शानदार मंचन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ राम जन्मोत्सव से शुरू हुआ। भगवान राम द्वारा पिता के वनवास जाने के आदेश को विनम्रता से स्वीकार करना, केवट तथा शबरी के प्रसंग द्वारा जाति-पाति की भावना से ऊपर उठना, वनवास काल में भरत-श्रीराम के संवाद का मार्मिक चित्रण, श्रीराम व समुद्र देवता प्रसंग तथा रावण द्वारा अंतिम समय में राम-लक्ष्मण को नैतिक शिक्षा प्रदान करने का प्रसंग आदि की सुंदर प्रस्तुति की गई। अयोध्या में श्री रामलला मूर्ति स्थापना व पूजा का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा भगवान महावीर के 2550 वे निर्वाण पर जन्मोत्सव से लेकर निर्वाण लेने तक के प्रसंग को क्रमानुसार प्रस्तुत किया गया। जिसमें उनके प्रमुख संदेशों 'अहिंसा परमो धर्मः' व 'जीयो और जीने दो' आदि का विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन हेतु मंचन किया गया। मंच संचालन विरेंद्र सिंह शेखावत द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय कार्यकारिणी के सचिव संतोष पहाड़िया, कोषाध्यक्ष सुभाष पहाड़िया, उपाध्यक्ष लालचंद पहाड़िया, ज्ञानचंद पहाड़िया, सुरेश पांड्या, अजीत पहाड़िया उपस्थित रहे। अभिभावकों के रूप में श्रीमती व अनिल डालूका, श्रीमती आरती सोनी आदि उपस्थित थे। विद्यालय सचिव ने पूरे कार्यक्रम की मुक्त कंठ से प्रशंसा की तथा वर्तमान समय में भगवान श्रीराम की मर्यादाओं व भगवान महावीर के संदेशों को अपनाने की आवश्यकता बताई।

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर,
मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

श्रीमद् जिनेन्द्र जिनबिम्ब

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव

दिनांक 13 नवम्बर से 17 नवम्बर 2024

स्थान : सामुदायिक केन्द्र से. 9 गोखले मार्ग, मानसरोवर

अर्हं ध्यान योग

मूलनायक 1008 श्री आदिनाथ भगवान

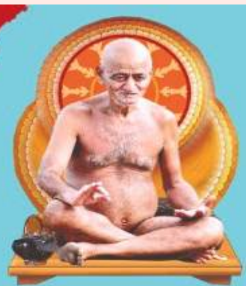

प.पू. संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज

पावन सानिध्य :

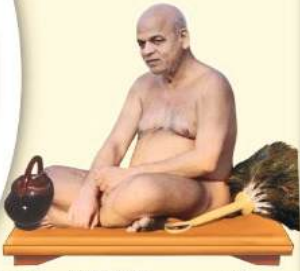

प.पू. आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज

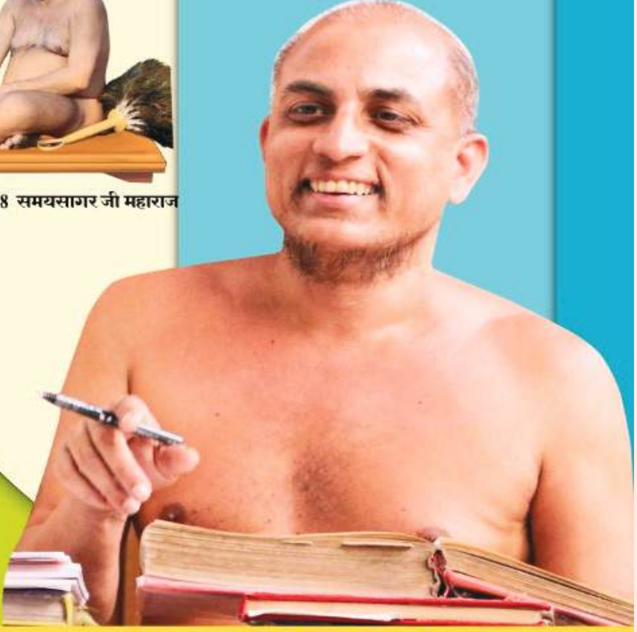

अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी , अर्हं ध्यान योगप्रणेता,

मुनि श्री 108 प्रणम्यसागर जी महाराज

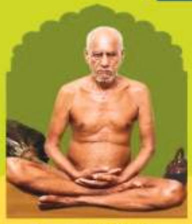

परम पूज्य मुनि श्री 108 विश्वाक्षसागर जी महाराज

परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 अनुनयसागर जी महाराज

परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 सविनयसागर जी महाराज

परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 समन्वयसागर जी महाराज

बुधवार, 13 नवम्बर 2024 गर्भ कल्याणक

प्रातः 6.30 बजे - देवाज्ञा, गुरु आज्ञा, आचार्य निमंत्रण, घट पूजन, घटयात्रा, जुलूस
प्रातः 7.15 बजे - ध्वजारोहण, मण्डप उद्घाटन, मण्डप शुद्धि, अभिषेक, पूजन, सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा, मंडप प्रतिष्ठा, यागमण्डल विधान
प्रातः 9.00 बजे - पूज्य मुनिश्री की मंगल देशना
दोपहर 12.00 बजे - गर्भकल्याणक की आंतरिक क्रियायें
सायं 3.00 बजे - माता की गोद भराई
सायं 4.00 बजे - मुनिश्री का प्रवचन
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, सौधर्म इन्द्र एवं महाराजा नाभिराय का दरबार सांस्कृतिक कार्यक्रम

गुरुवार, 14 नवम्बर 2024 जन्म कल्याणक

प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 7.30 बजे - भगवान के जन्मोत्सव की बधाई, प्रथम दर्शन शचि द्वारा, सहस्र नेत्र बनाकर प्रभु दर्शन, सौधर्म इन्द्र द्वारा प्रवचन, जन्म कल्याणक जुलूस, पाण्डुक शिला पर जन्माभिषेक, तीर्थंकर बालक का शृंगार, नामकरण
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सौधर्म इन्द्र द्वारा ताण्डव नृत्य, पालना झूलना और बाल क्रीड़ा

शुक्रवार, 15 नवम्बर 2024 तप कल्याणक

प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 8.30 बजे - प्रवचन
दोपहर 1.00 बजे - पाणिग्रहण संस्कार, राज्य तिलक, भेंट समर्पण, असि आदि षट्कर्म, शिक्षा नीति, नीलांजना नृत्य, वैराग्य दीक्षाभिषेक, वनगमन, दीक्षा संस्कार विधि (मुनिश्री द्वारा)
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सांस्कृतिक कार्यक्रम

शनिवार, 16 नवम्बर 2024 ज्ञान कल्याणक

प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 8.30 बजे - प्रवचन मुनिश्री का
प्रातः 9.00 बजे - महामुनि की प्रथम आहार चर्या
दोपहर 1.00 बजे - ज्ञान कल्याणक की क्रियायें, प्राण-प्रतिष्ठा सूरिमंत्र के साथ समवशरण की रचना, गणधर रूप विराजमान मुनिश्री की देशना एवं पूजन
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सांस्कृतिक कार्यक्रम

रविवार, 17 नवम्बर 2024 मोक्ष कल्याणक

प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन
प्रातः 7.15 बजे - कैलाश पर्वत पर अंतिम दर्शन, मोक्षगमन एवं निर्वाण कल्याणक की पूजन, विश्व शांति महायज्ञ
प्रातः 9.00 बजे - प्रवचन, जुलूस और श्रीजी विराजमान सम्मान एवं आभार व्यक्त

प्रतिष्ठाचार्य

पं. धीरज जी शास्त्री

3100/-रु. में एकल इन्द्र/इन्द्राणी

5100/-रु. इन्द्र-इन्द्राणी

नोट :- उक्त राशि में वस्त्राभूषण, भोजन एवं सामग्री की न्योछावर सम्मलित है।

प्रमुख पात्र बनने के लिए समिति के सदस्यों से सम्पर्क करें।

आप सभी इस मांगलिक कार्यक्रम में सादर आमंत्रित हैं। कार्यक्रम में भाग लेकर पुण्यार्जन करें।

आयोजक

अर्हं चातुर्मास समिति जयपुर-2024

परम शिरोमणी संरक्षक

श्री कंवरीलाल जी अशोक कुमार जी
सुरेश कुमार जी
विमल कुमार जी पाटनी
(आर.के.ग्रुप मदनगंज-किशनगढ़)

संरक्षक

* श्री नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाडिया
* श्री शीतल जी अनमोल जी कटारिया

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

अध्यक्ष	वरिष्ठ उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	संयुक्त मंत्री	कोषाध्यक्ष	संगठन मंत्री	सांस्कृतिक मंत्री	मंत्री
सुशील पहाड़िया	सुनील बेनाड़ा	तेजकरण चौधरी	सीए मनोज कुमार जैन	लोकेन्द्र कुमार जैन	अशोक कुमार सेठी	जम्बू कुमार सोगाणी	राजेन्द्र कुमार सेठी
9928557000	9829561399	9828081698	9314503618	9828152143	9828810828	7665014497	9314916778

कार्यकारिणी सदस्य : अरुण कुमार जैन (पाटोदी), शान्ति विजय गंगवाल, अशोक कुमार जैन (छाबड़ा), विजय जैन (झांझरी), राजेश काला (एडवोकेट), अशोक कुमार जैन (गोधा), जिनेन्द्र कुमार काला, भागचन्द जैन (पूर्व अध्यक्ष)

सहयोगी संस्थाएँ

श्री आदिनाथ महिला जागृति समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

* अध्यक्ष - सुशीला राँवका, मंत्री - रश्मि सांगानेरिया, कोषाध्यक्ष - रेणु पाटनी
* आदिनाथ युवा मंडल, मीरा मार्ग जयपुर * विद्यासागर पाठशाला, मीरा मार्ग, जयपुर

मेरा युवा भारत कार्यक्रम की वर्षगांठ

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पिछले वर्ष राष्ट्रीय एकता दिवस पर यानि 31 अक्टूबर, 2023 को कर्तव्य पथ, नई दिल्ली में देश के युवाओं के लिए मेंरा युवा भारत (मेरा भारत) मंच का शुभारंभ किया था। यह पोर्टल भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय की एक पहल है, जो युवाओं के समय विकास के लिए काम कर रही है। मेरा भारत पोर्टल की युवा विकास और युवा नेतृत्व वाले विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पौद्योगिकी संचालित सुविधाकर्ता के रूप में देखा जाता है, जिसका व्यापक लक्ष्य युवाओं को उनकी आकांक्षाओं को साकार करने में सक्षम बनाने के लिए समान अवसर प्रदान करना और 'विकसित आरत के निर्माण में योगदान देना है। इस पोर्टल के माध्यम से युवाओं की अनुभवात्मक शिक्षा, सीवी निर्माण आदि सहित विभिन्न अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। भारत सरकार, युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने पूरे देश में मेरा भारत पोर्टल की पहली वर्षगांठ मनाने के लिए एक अभियान शुरू किया है। पूरे देश में 500 जिलों में पर गहन स्वयंसेवी गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। 27 से 30 अक्टूबर, 2024 तक इस दिवाली मेरे भारत के साथ ये दिवाली माय भारत वाली थीम के तहत व्यापक प्रचार और दृश्यता। 27 से 30 अक्टूबर, 2024 तक राजस्थान के 7 जिलों बाड़मेर, धौलपुर, जयपुर, जैसलमेर, झालावाड, राजसमंद और सिरोही में आयोजित की जाने वाली चिन्हित गतिविधियां चलाई जाएगी जैसे कि अस्पताल में स्वयंसेवा अस्पतालों में मरीजों को चिकित्सा सेवाओं तक पहुंचने में मदद करना, बाजार की सफाई अखिल भारतीय व्यापारी संघ के सहयोग से देश भर के बाजारों में स्वच्छता अभियान, यातायात स्वयंसेवा यातायात चोक पॉइंट्स के प्रबंधन में यातायात पुलिस की सहायता करना, मेरा भारत अनुभव साझा करना गतिविधियों में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न गतिविधियों को पूर्ण किया जाएगा। **(एस.पी. भटनागर) क्षेत्रीय निदेशक**

संगिनी मैन उदयपुर द्वारा गरबा एवं दीपावली सेलिब्रेशन संपन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया। संगिनी मैन उदयपुर द्वारा विज्ञान समिति अशोक नगर प्रांगण में डांडिया रास व दीपावली सेलिब्रेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जेएसजी अनंता की अध्यक्ष डॉ शिल्पा नाहर एवं विशिष्ट अतिथि महिला उद्यमी व समाजसेविका अनिता गांधी थी। नवकार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आशा मोगरा व सुषमा जैन द्वारा मंगलाचरण की नृत्यमयी प्रस्तुति दी गई। ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने अपने स्वागत उद्बोधन में शब्दों द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि गुप द्वारा सत्र 23-25, में अभी तक विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 11 लाख के सेवा कार्य संपादित किए जा चुके हैं। कार्यक्रम में मेवाड़ रीजन द्वारा आयोजित 12 दिवसीय शिखरजी की यात्रा में भाग लेने वाली ग्रुप की संगिनी बहनों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बेस्ट डांडिया में प्रथम डॉ शिखा लोढ़ा, द्वितीय कविता जैन, तृतीय मंजू सरूपरिया आर, बेस्ट ड्रेसअप में प्रथम आशा मोगरा, द्वितीय संजितारानी कोठारी, तृतीय मेहताब हिरण रही। बेस्ट फाइव ट्रेडिशनल ड्रेस के पुरूस्कार नमिता मेहता, सुमन जारोली, मंजू सरूपरिया पी, विमला सोनी, शशि कला दोशी को प्रदान किए गए। लक्की ड्रा में उषा दक, करूणा डूंगरवाल, अंजना बापना, नीलम पामेचा को पुरस्कृत किया गया। सभी संगिनी बहनों को एक-एक इलेक्ट्रॉनिक दीपक व मेंहदी का कोण उपहारस्वरूप प्रदान किया व दीपावली थीम पर फ्री तंबोला गेम खेलाकर प्राइज प्रदान किए गए। कार्यक्रम में लगभग 86 सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम से पूर्व हाई टी व लजीज भोजन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्नेहलता पोरवाल व आभार कमला नलवाया द्वारा प्रेषित किया गया। कार्यक्रम में निरूपमा पुनमिया, मंजू मेहता, चन्द्रकला कोठारी, शशि जैन, हेमलता छाजेड़, सुहासिनी कोठारी, पवन धाकड़, सुधा खाब्या आदि सदस्य उपस्थित रहे।

महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा स्वच्छता अभियान प्रारंभ

स्वच्छ डडूका स्वस्थ डडूका मे जुटे ग्रामीण

अजीत कोठिया. शाबाश इंडिया

डडूका। महावीर इंटरनेशनल डडूका एवं ग्राम पंचायत डडूका के संयुक्त तत्वावधान में दीपावली पुर्व सफाई अभियान स्वच्छ डडूका स्वस्थ डडूका मे आज आयुर्वेदिक चिकित्सालय परिसर, राम मंदिर मार्ग, एम जी जी एस द्वितीय परिसर एवं वॉलीबॉल खेल मैदान परिसर में सफाई अभियान चलाया गया। प्रारंभ में महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया, राजेन्द्र कोठिया, चेयरमैन सुंदरलाल पटेल, उपाध्यक्ष रणजीत सिंह सोलंकी, सरपंच रेखा महवाई, लक्ष्मीकांत मेहता, वार्ड पंच राजमल महवाई एवं संरक्षक मणिलाल सूत्रधार ने सफाई अभियान का शुभारंभ किया। नालिया, अस्पताल परिसर, आस पास उगे झाड़ झंकार, पालीथीन को हटाकर सभी स्थान साफ सुथरे किए गए। आयोजन मे जनार्दन रावल, प्रेमजी पाटीदार, जगदीश जोशी, योगेश सोनी, भरत वैष्णव, ललित शंकर जोशी, अशोक माली, कुसुम कोठिया, कन्हैयाभाई, कमला वैष्णव, कुरिया भाई सहित कई ग्रामीणों ने भी सहयोग किया। इस अवसर पर अजीत कोठिया ने स्वच्छता के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि स्वच्छता समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है इसलिए हम सभी को अपने घर, गली, मोहल्ले एवं गाँव की सफाई पर प्राथमिकता से ध्यान देना चाहिए। संचालन सुंदरलाल पटेल ने किया, आभार राजेन्द्र कोठिया ने व्यक्त किया। रणजीत सिंह सोलंकी ने अभियान में सभी के सहयोग की सराहना की।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

एंबीशन किड्स एकेडमी में दीपोत्सव सप्ताह का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्योपुर रोड स्थित एंबीशन किड्स एकेडमी की ओर से दीपावली के शुभ अवसर पर दीपोत्सव सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ . अलका जैन ने बताया कि दीपोत्सव सप्ताह के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा गतिविधियों का विद्यालय प्रांगण में आयोजन किया गया । संस्था अध्यक्ष अंतरास्ट्रीय ख्याति प्राप्त वरिष्ठ होम्योपैथ डॉ. एम एल जैन मणि तथा सचिव डॉ. शांति जैन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर इस साप्ताहिक कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर दीपक सजाओ कार्यक्रम तथा रंगोली बनाओ घर सजाओ गतिविधि का कक्षावार आयोजन किया गया, जिसमें सभी

एंबीशन किड्स ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके पश्चात नन्हे बालक बालिकाओं ने स्वयं के द्वारा सजाए गए रंग बिरंगे दीपक लेकर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। उपप्राचार्य अनीता जैन ने बताया कि दीपावली पर्व पर एंबीशन किड्स ने अपने घर को स्वच्छ रखने के साथ-साथ आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। इसके साथ ही क्रैकर्स रहित दीपावली मनाने की शपथ भी एंबीशन किड्स को दिलाई गई। कार्यक्रम की अगली कड़ी में सभी स्टाफ सदस्यों के लिए विद्यालय प्रबंधन ने दीपावली स्नेह मिलन रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया ।इस कार्यक्रम में विभिन्न संकाय सदस्यों ने कविताएं ,गीत, स्लोगन, एकल नृत्य, शायरी और सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किये ।इस अवसर पर डॉ. एम एल जैन मणि और डॉ. शांति जैन ने सभी स्टाफ सदस्यों को उपहार एवं नकद राशि प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में निदेशक डॉ. मनीष जैन ने सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया और दीपावली पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की।

जैन बैंकर्स द्वारा मुनि प्रणम्य सागर जी को श्रीफल भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर नगर, जयपुर में आयोजित त्रिदिवसीय विद्वत संगोष्ठी के दौरान जैन बैंकर्स फोरम जयपुर द्वारा मुनिराज प्रणम्य सागर जी को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मुनिराज श्री को जैन बैंकर्स की गतिविधियों से अवगत कराया गया। फोरम के संपर्क सूत्र पोस्टर का भी मुनिराज श्री ने अवलोकन किया। साथ ही फोरम द्वारा जैन समाज के अग्रणी विद्वत डॉक्टर शीतल चंद जैन का समाज एवं धर्म के प्रति उनकी समर्पण भावना पर कृतज्ञता स्वरूप अभिनन्दन किया गया। अल्प अवधि सूचना पर भी बैंकर्स फोरम के प्रतिनिधि काफी संख्या में उपस्थित थे। दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल द्वारा भी श्रीफल भेंट किया गया।

त्रयोदशी श्री धन्वंतरी जयंती प्रजापति योग में 29 अक्टूबर को

मुरैना (मनोज जैन नायक). शाबाश इंडिया

दीपावली के पांच दिनों की शुरूआत धन त्रयोदशी से हो जाती है वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ हुकुमचंद ने कहा कि कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी तिथि को धन त्रयोदशी एवं श्री धन्वंतरी जयंती मनाई जाती है यह दीपावली के आने की सूचना है इस दिन यम और श्री धनवंतरी जी का पूजन का भी विधान है कहते हैं कि इस दिन धन्वंतरी वैद्य समुद्र से अमृत कलश लेकर आए थे इसलिए धनतेरस को धन्वंतरी जयंती भी कहते हैं इस दिन घर के टूटे-फूटे पुराने बर्तनों के बदले नए बर्तन खरीदते हैं इस दिन चांदी के बर्तन खरीदना अत्यधिक शुभ माना जाता है जिस दिन वैदिक देवता यमराज का भी पूजन किया जाता है यम के लिए आटे का दीपक बनाकर चार बत्ती लगाकर तेल का दीपक घर के मुख्य द्वार पर रख कर जल, रोली, चावल, गुड और फूल, नैवेद्य से पूजा करके दीपक जलाकर यम का पूजन करना चाहिए इससे अकाल मृत्यु का भय टलता है। इस दिन सभी डॉक्टर भगवान श्री धन्वंतरी वैद्य की पूजा सायंकाल प्रदोष काल में स्थिर लग्न में करते हैं। त्रयोदशी तिथि प्रारंभ 29 अक्टूबर मंगलवार को प्रातः 10:31 बजे से त्रयोदशी तिथि समाप्त 30 अक्टूबर को दोपहर 13:15 बजे पर। पूजा का मुहूर्त :- 29 अक्टूबर मंगलवार को प्रदोष काल शाम को 05:37 बजे से रात्रि 08:11 बजे तक। वृषभ स्थितर लग्न शाम 06:32 बजे से रात्रि 08:28 बजे तक।

सकारात्मक जुड़ाव, एकजुटता और सहयोग के महत्व को समझा

ये बने विजेता

नो फायर कुकिंग प्रतियोगिता में प्रथम प्रेक्षा जैन, सकीना कोलियारी व लोकेश सालवी, द्वितीय ऋतिका प्रजापत व दिव्या काबरा तथा तृतीय- स्नेहा सोनी व अतिशय मेहता। आर्ट डेकोरेशन प्रतियोगिता में प्रथम- प्रिया कुमावत व ऋषिता प्रजापत, द्वितीय-रीना पालीवाल, महिमा टंडन व प्रियल जैन तथा तृतीय- कार्तिक सोनी व हार्दिक चित्तौड़ा।

वीआईएफटी कॉलेज में दिवाली स्नेह मिलन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

साईं तिरुपति विश्वविद्यालय के यूआईटी सर्किल स्थित वीआईएफटी कॉलेज परिसर में शनिवार को दीपावली महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसमें विद्यार्थियों के लिए विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के तहत नो फायर कुकिंग और आर्ट ऑफ डेकोरेशन प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। इस अवसर पर कॉलेज परिसर को रंगोली, दीयों और रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया, जो पारंपरिक उत्सव की रंगत में चार चांद लगा रहे थे। वहीं, सभी विद्यार्थियों ने पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर रचनात्मक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चेयरमैन अशीष अग्रवाल ने सभी छात्रों को दीपावली की शुभकामनाएं देते उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि इस तरह के आयोजन छात्रों में सांस्कृतिक समझ और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए महती भूमिका निभाते हैं। इस दौरान निदेशिका डॉ. रिमझिम गुप्ता, प्राचार्या विप्रा सुखवाल, प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. गायत्री तिवारी और डॉ. शंकर शर्मा सहित समस्त विभागाध्यक्षों ने संकाय सदस्यों व विद्यार्थियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। समापन पूर्व दोनों प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को मिठाइयां बांटकर और शुभकामनाएं देकर इस त्योहार की खुशियों को साझा किया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को अपने सहपाठियों और शिक्षकों के साथ एक सकारात्मक जुड़ाव, एकजुटता और सहयोग के महत्व को समझने का अवसर भी प्रदान किया।

रिपोर्ट/फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप'

उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर, जयपुर में शैक्षिक सम्मेलन का आयोजन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर ,राजापार्क में शैक्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया ।तीन सत्रों में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यालय विकास में आचार्य की भूमिका, विद्या भारती की संकल्पना और परिवार प्रबोधन पर चर्चा की गई ।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती और मां भारती के आगे दीप प्रज्वलित कर हुआ ।राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया ।अतिथियों का स्वागत प्रधानाध्यापक राजेंद्र गुप्ता ने किया। समिति के अध्यक्ष राजीव सक्सेना और सचिव संजीव भार्गव ने भी मार्गदर्शन किया। मंच संचालन प्रधानाध्यापिका वंदना मेहरोत्रा ने किया ।कार्यक्रम में समिति के सदस्य,राजीव गुप्ता, तुलसी संगतानी, प. राज शर्मा और डॉ निधि गुप्ता और डॉ राजीव जैन भी उपस्थित रहे।

नवजीवन स्कूल में आयोजित हुई रंगोली प्रतियोगिता

बच्चों ने उत्साह से लिया भाग

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। दीपावली पर्व को लेकर नवजीवन पब्लिक स्कूल बीगोद में कक्षा कक्ष सफाई, सजावट एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जिसमें नन्हे मुन्ने बच्चो ने उत्साह से भाग लिया।अपने कक्षा कक्ष में साफ सफाई की तथा सजावट के साथ दीपोत्सव मनाते हुए रंगोलियां बनाई। तथा आतिशबाजी छोड़ कर आने वाले दीपावली पर्व को लेकर खुशी प्रकट की। प्रधानाध्यापक सुनील पहाड़ियां एवं शिक्षक मुकेश जैन ने बताया कि सजावट एवं रंगोली का श्री महावीर जनकल्याण संस्थान के संस्थापक एवं पत्रकार महेन्द्र बाबेल ललकार एवं कवि नवीन जैन नव ने अवलोकन करते हुए विधार्थियों के प्रयास की सराहना की। वरिष्ठ शिक्षिका निर्मला पाराशर, सुनील पहाड़ियां,मुकेश जैन,मोहम्मद रसीद मुल्तानी, शोभा सुथार, साइना परवीन,सुमन पाराशर, मोहम्मद इब्राहिम, तमन्ना,आरती बाबेल, निर्मला सुथार के निर्देशन में बच्चों ने सुंदर सुंदर रंगोलियां बनाई।